हकीकत

नगर परिषद कार्यालय के आसपास और डंपिंग यार्ड्स की स्थिति बदतर, दीवारों पर पान की पीक खेल रही दावों की पोल

'स्वच्छता' कागजों पर, हकीकत में कचरे के ढेर पर बैठा विभाग

मझौली, नवभारत संवाददाता। 'स्वच्छ भारत अभियान' और 'स्वच्छ सर्वेक्षण' के नाम पर जनता को स्वच्छता का पाठ पढ़ाने वाली नगर परिषद खुद गंदगी के दलदल में फंसी नजर आ रही है। विडंबना देखिए कि जिस विभाग के कंधों पर पूरे शहर को साफ रखने की जिम्मेदारी है, उसका अपना परिसर और कार्यप्रणाली स्वच्छता के अभाव में दम तोड़ रही है।

नगर परिषद कार्यालय के आसपास और डंपिंग यार्ड्स की स्थिति बदतर है। दीवारों पर पान की पीक और कोनों में जमा धूल परिषद के दावों की पोल खोल रही है।

जनता को उपदेश, खुद को छूट

परिषद आम नागरिकों पर गंदगी फैलाने के नाम पर जुर्माना तो वसूलती है, लेकिन सार्वजनिक नालियों और चौक-चौराहों पर जमा कचरे को हटाने में अपनी विफलता पर चुप्पी साधे रहती है।

अभियान या केवल इवेंट?

शहर के मुख्य मार्गों पर स्वच्छता के बड़े-बड़े होर्डिंग्स तो लगा दिए गए हैं, लेकिन वार्डों की गलियां आज भी कीचड़ और सड़ांध से भरी हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि परिषद का ध्यान केवल फोटो खिंचवाने और कागजी आंकड़े सुधारने पर है, जमीनी स्तर पर स्वच्छता कहीं दिखाई नहीं देती। जागरूक लोगों का कहना है कि 'जब रक्षक ही नियमों की अनदेखी करने लगे, तो शहर की तस्वीर कैसे बदलेगी? नगर परिषद को उपदेश देने से पहले खुद उदाहरण पेश करने की जरूरत है।

रखरखाव के अभाव में कबाड़ हो रहे वाहन

लाखों रुपये की लागत से खरीदी गई कचरा गाड़ियाँ और सफाई उपकरण रखरखाव के अभाव में कबाड़ बन रहे हैं। कई वार्डों में कचरा कलेक्शन समय पर नहीं हो रहा है।

जिम्मेदारों से सवाल

- क्या स्वच्छता के नियम केवल आम जनता और दुकानदारों के लिए हैं।
- परिषद के बजट का बड़ा हिस्सा सफाई पर खर्च होने के बावजूद परिणाम शून्य क्यों है?
- क्या प्रशासन केवल रैंकिंग सुधारने के लिए दिखावा कर रहा है?

लुहारी में सांसद का किया स्वागत

नवभारत, बेलखाडू जबलपुर। पाटन विधानसभा अंतर्गत आने वाले ग्राम लुहारी में जिले के सांसद आशीष दुबे का स्थानीय ग्राम पंचायत परिसर में आगमन हुआ। इस अवसर पर युवा मोर्चा के शुभम साहिल उपाध्याय ने अपने युवा साथियों एवं ग्रामवासियों के साथ सांसद का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम के विकास, जनसमस्याओं एवं विभिन्न योजनाओं को लेकर चर्चा हुई। सांसद ने ग्रामवासियों से संवाद कर क्षेत्र के विकास हेतु निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।

स्वागत दौरान ग्राम सरपंच श्रीमती श्वेता देवराज त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष वकील पटेल, रवि पटेल, अनिल दुबे, दीपेश पटेल, जनक लाल पटेल, जयप्रकाश पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

घोराकोनी नहीं पहुंची हिरण जल संवर्धन जल यात्रा

जनता करती रही इंतजार, जिला प्रशासन के प्रयासों पर फिर रहा पानी

सिहोरा, नवभारत। जबलपुर जिला प्रशासन के संयोजन में 12 मई से 20 मई यानि नौ दिवसीय नर्मदा नदी की सहायक नदी हिरण नदी के उद्गम स्थल कुंडेश्वर से जिले के कलेक्टर

जिला पंचायत सीईओ विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में 12 मई को हरी झंडी दिखकर यात्रा का शुभारंभ किया गया था इस यात्रा के माध्यम से हिरण नदी के जल संरक्षण संवर्धन के संबंध में लोगों को प्रेरित करने के उद्देश्य से यह यात्रा जबलपुर जिले के अनेक विकास खंडो के अनेक ग्रामों में पहुंचना है। इसी कार्यक्रम में जिला पंचायत द्वारा जारी रूट प्लान में गुरुवार के दिन शाम को ग्राम पंचायत कछपुरा

के घोराकोनी ग्राम में इस यात्रा को पहुंचना था जहां जल संवाद भी होना था परंतु इस यात्रा मे शामिल जनपद पंचायत सिहोरा के अधिकारी कर्मचारियों ने रस्म अदायगी कर इस यात्रा के रथ को

घाट सिमरिया से वापस कर दिया और ग्राम घोराकोनी में सरपंच सचिव स्वयंसेवी संस्था व आम जनमानस द्वारा तैयारी पूरी कर यात्रा के रथ का इंतजार किया जा रहा था और ऐन वक्त पर जनपद सिहोरा के कर्मचारियों द्वारा सूचना दी गई थी घोराकोनी गांव हिरण यात्रा का रथ नहीं आएगा जिससे यात्रा के आगमन को लेकर उत्साहित लोगों के मन में निराशा व्याप्त हो गई जहां एक और जिला प्रशासन के द्वारा इस हिरण जल संवर्धन रथ यात्रा को सफलता प्रदान करने के लिए पूरी ताकत झोकी जा रही है वहीं यात्रा शुरू होने के पूर्व जबलपुर में एक वृहद संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें जिले के प्रशासनिक अधिकारी विधायक शामिल हुए और बड़ी संख्या में स्वयं सेवी संगठन ग्राम पंचायत के पदाधिकारी सरपंच सचिव शामिल थे अगर इसी तरह अन्य ब्लॉकों का भी हाल रहा तो यह यात्रा एक महज दिखावा साबित होगी गौरतलब है की यात्रा के सफल संचालन हेतु एसडीएम तहसीलदार जनपद सीईओ को जवावदारी सौंपी गई है।

मकान के नाम पर किसान से लाखों की ठगी

पीड़ित किसान ने पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार

मझौली, नवभारत, संवाददाता

जबलपुर। तहसील अंतर्गत ग्राम पोड़ा में एक किसान के साथ साढ़े तीन लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान नरोत्तम बहादुर राय ने पुलिस अधीक्षक जबलपुर को शिकायती पत्र सौंपकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने और अपनी गाढ़ी कमाई वापस दिलाने की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, वार्ड नंबर 10 मझौली निवासी नरोत्तम बहादुर राय की जान-पहचान ग्राम पोड़ा निवासी प्रशांत पटेल (पिता राजेन्द्र पटेल, निवासी पोड़ा कॉलोनी) से थी। 24 दिसंबर 2024 को प्रशांत ने अपनी पत्नी के इलाज का हवाला देते हुए आर्थिक मदद मांगी। उसने विश्वास दिलाने के लिए तहसील कार्यालय में बाकायदा नोटरी के समक्ष इकरारनामा किया और अपना 900 वर्ग फुट का मकान गारंटी के तौर पर रखा। किसान ने दो गवाहों की मौजूदगी में कुल 3,87,500 रुपये प्रशांत को सौंप दिए।

कृषि यंत्र बेचकर उठा दिया किराए पर

पीड़ित का आरोप है कि समय सीमा बीत जाने के बाद जब उसने पैसे मांगे, तो आरोपी ने उसका मोबाइल नंबर ब्लैक लिस्ट में डाल दिया और मिलने से भी मना कर दिया। मामला तब और गंभीर हो गया जब 17 अप्रैल 2026 को आरोपी प्रशांत पटेल ने कथित तौर पर उक्त मकान का ताला तोड़ दिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने मकान के अंदर रखे कृषि यंत्र (तगाड़ी, फावड़ा आदि) कबाड़ में बेच दिए और मकान किसी अन्य व्यक्ति को किराए पर दे दिया। नरोत्तम बहादुर राय ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में मझौली थाना और एसडीओपी सिहोरा को भी लिखित शिकायत दी थी। हालांकि, लंबे समय के बाद भी पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। पीड़ित किसान ने अब पुलिस अधीक्षक जबलपुर से गुहार लगाई है कि आरोपी प्रशांत पटेल पर धोखाधड़ी का मामला पंजीबद्ध किया जाए और उसकी मेहनत के पैसे वापस दिलाए जाएं।

इनका कहना है

मैं एक गरीब किसान हूँ। मैंने प्रशांत पटेल पर भरोसा किया, लेकिन उसने इकरारनामा करने के बावजूद मेरे साथ ठगी की है। मुझे न्याय की उम्मीद है।

नरोत्तम बहादुर राय, पीड़ित किसान

एपीके फाइल के जरिए खातों से उड़ाई जा रही रकम

सावधान : साइबर ठग भेज रहे आरटीओ चालान के नाम से खतरनाक वायरस

जबलपुर। साइबर ठग हर दिन नए-नए पैंतरे आजमा रहे है। अब ठग आरीटीओ चालान के नाम से व्हाट्सएप पर खतरनाक वायरस भेज रहे है और खातों से रकम उड़ा रहे है। जिसको लेकर जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों को व्हाट्सएप पर प्रसारित हो रहे एक नए साइबर खतरे आरटीओ चालान फाइल को लेकर चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने जोर देकर कहा है कि इस डिजिटल खतरे से बचने के लिए सतर्कता और जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है, अत: किसी भी संदिग्ध फाइल को डाउनलोड न करें और साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 या संबंधित थाने पर सूचित करें।

ऐसे कर रहे अटैक

वर्तमान में विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों और व्यक्तिगत संदेशों के माध्यम से आरटीओ चालान (वी2) एपीके नाम की एक संदिग्ध फाइल तेजी से भेजी जा रही है। यह वास्तव में एक मालवेयर डिलीवरी अटैक है, जिसमें हमलावर सरकारी दस्तावेजों या आरटीओ चालान के नाम का सहारा लेकर लोगों के मोबाइल फोन का एक्सेस हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिज्ञासावश इस फाइल को डाउनलोड करना आपके डिवाइस और व्यक्तिगत डेटा को पूरी तरह असुरक्षित बना सकता है, क्योंकि यह सॉफ्टवेयर बिना किसी ओटीपी या लॉगिन के आपके फोन का कंट्रोल हैकर्स को सौंपने में सक्षम है।

ग्रामीणों से प्राप्त सुझावों के अनुरूप होंगे विकास कार्य : आशीष दुबे

नुनसर मंडल की ग्राम पंचायतों में पहुंचे सांसद, किया जनसंवाद

नवभारत, जबलपुर। जबलपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे ने गुरूवार को संसदीय क्षेत्र के पाटन विधानसभा अंतर्गत नुनसर मंडल की विभिन्न ग्राम पंचायतों का प्रवास कर ग्रामीणों से प्रत्यक्ष संवाद किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा ग्रामीणों की समस्याएं, सुझाव और विकास संबंधी आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना।

ग्राम पंचायत प्रवास कार्यक्रम के अंतर्गत सांसद ने क्रमश: लुहारी, बिनेकी, बेनीखेड़ा, आरछा,आगासोद, उजरोड,नीची (हटेपुर), कन्तोरा, नुनसर, जरौंद, खमोद, सरौंद, सिमरिया (करारी) एवं कैथरा ग्राम पंचायतों का दौरा किया। इस दौरान प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्रामीणों ने सांसद का आत्मीय स्वागत किया गया तथा उन्हें क्षेत्र की आवश्यकताओं एवं विकास कार्यों से संबंधित सुझावों से अवगत कराया।

आमजन के उत्थान के लिए काम कर रही सरकार

दौरे के दौरान सांसद आशीष दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांव, गरीब,किसान और आमजन के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत प्रवास कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों को समझकर प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्यों को गति देना है। कार्यक्रम के दौरान आचार्य जगेंद्र सिंह, देवेंद्र यादव, वकील पटेल,अशोक पटेल, अजय पटेल, मनोहर दुबे, आशीष पटेल, बलराम यादव,संदीप शुक्ला, श्रीमति अल्का गर्ग, जतिन उपाध्याय दिनेश पटेल, सुमित मिश्रा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, मंडल एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ता तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सांसद को महिलाओं ने सौंपा ज्ञापन

नवभारत,जबलपुर। कंतोरा ग्राम की महिलाओं ने शराब दुकान बंद करने के उपलक्ष्य में सांसद आशीष दुबे के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर ग्राम पंचायत सिमरिया की सरपंच अंजु सिंह, उप सरपंच नकिरण झारिया, सुमन पटेल, नेहा, आशा ठाकुर, कौशल ठाकुर, ज्योति कौल, जनकी ठाकुर, कल्पना पटेल, सौम्या आदि महिलाओं ने ज्ञापन सौंपकर आभार प्रदर्शित किया।

घुटना में सांसद ने किया पंचायत भवन का लोकार्पण

सिहोरा, नवभारत। सिहोरा ब्लाक के तहत घुटना में 37.49 लाख में बनी घुटना पंचायत भवन अतिसुंदर और सुव्यवस्थित भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्यातिथि सांसद आशीष दुबे, विधायक संतोष वरकड़े, पूर्व विधायक दिलीप दुबे, जनपद अध्यक्ष रश्मि अग्निहोत्री, सरपंच केके दुबे की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

विशिष्ट अतिथि जिला महामंत्री राजेश दहिया, जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज, अलका गर्ग, अनुपम सराफ, आशीष पटेल, नीलू बाजपेई, प्रदेश मंत्री राजमणि, दिलीप पटेल, संदीप शुक्ला, मंडल अध्यक्ष अनंत नोगरिया, बीडीसी चतुर बाई, सरपंच शिवकुमार रामखिरिया, दशरथ सिंह बंधा, सरपंच रामराज बेला, राम किशोर दुबे, प्रकाश दुबे, बद्री दुबे, उपसरपंच जागेश्वर साहू, संदीप दुबे, संजय दुबे, मनोज साहू, अजय किशोर बर्मन, सचिव चंद्रभान, बसंत कोल, संदीप कोल, मदन साहू, शरण साहू आदि मौजूद रहे।

निराकरण गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक हो : कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में लंबित मामलों के त्वरित निराकरण को लेकर आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक में उन्होंने राजस्व न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए उनके लंबित होने के तकनीकी और प्रशासनिक कारणों की जांच की। उन्होंने विशेष रूप से नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन जैसे आमजन से सीधे जुड़े मामलों के निराकरण प्रतिशत पर ध्यान केंद्रित करते हुए अधिकारियों से कहा कि सभी राजस्व प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। राजस्व कार्यों के साथ ही उन्होंने समय-सीमा पत्रों, सीएम हेल्पलाइन, सीपी ग्राम, और सीएम व सीएस मॉनिट के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की वर्तमान स्थिति का भी जायजा लिया।

कलेक्टर सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि केवल प्रकरणों का निपटारा करना ही काफी नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित किया जाए कि निराकरण गुणवत्तापूर्ण और आवेदक के लिए पूरी तरह संतोषजनक हो। कलेक्टर सिंह ने पीएम किसान योजना के अंतर्गत बैंक खातों को आधार से लिंक करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबित प्रकरणों की समीक्षा के दौरान सबसे पहले पात्र और अपात्र किसानों की स्पष्ट सूची तैयार की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो किसान इस योजना के लिए अपात्र पाए जाते हैं, उनके नाम पोर्टल से डिलीट करने की कार्रवाई तत्काल प्रारंभ करें, ताकि केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही योजना का लाभ सुचारू रूप से मिल सके। इस कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया है।

आरोप

लाइनमैन की कमी से बढ़ी परेशानी, अतिरिक्त स्टाफ की मांग तेज

कृषि कार्य सिर पर और बिजली संकट से जूझ रहे किसान

सिहोरा, नवभारत। क्षेत्र में इन दिनों कृषि कार्य अपने चरम पर है, लेकिन किसानों को बिजली आपूर्ति की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों और किसानों ने विभाग को आवेदन देकर बताया है कि पर्याप्त लाइनमैन की कमी के कारण समय पर बिजली सुधार कार्य नहीं हो पा रहा है, जिससे फसलों पर संकट गहराता जा रहा है।

किसानों का कहना है कि इस समय उड़द और मूंग जैसी फसलें खेतों में खड़ी हैं और उन्हें नियमित सिंचाई की जरूरत है। लेकिन बिजली की अनियमित आपूर्ति और बार-बार फाल्ट आने से सिंचाई बाधित हो रही है। कई जगहों पर लाइन फाल्ट घंटों तक ठीक नहीं हो पाता, क्योंकि क्षेत्र में लाइनमैन की संख्या बेहद कम है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रात के समय अक्सर बिजली बंद रहती है, जिससे कृषि कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। वहीं, घरेलू उपभोक्ताओं को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। लाइनमैन की कमी के चलते छोटे-छोटे फाल्ट भी लंबे समय तक बने रहते हैं और पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब जाता है।

किसानों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो उड़द और मूंग की फसलें सूखकर खराब हो सकती हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

अतिरिक्त लाइनमैन की हो नियुक्ति

ग्रामीणों और किसानों ने बिजली विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में तुरंत अतिरिक्त लाइनमैन की नियुक्ति की जाए, ताकि फाल्ट को समय पर ठीक किया जा सके और किसानों को नियमित बिजली मिल सके।

ये रहे उपस्थित

अब देखना होगा कि प्रशासन और बिजली विभाग इस गंभीर समस्या पर कब तक ध्यान देता है और किसानों को राहत मिलती है या नहीं। फिलहाल, किसान आसमान और सिस्टम दोनों की मार झेलने को मजबूर हैं। लिखित आवेदन देते समय ग्राम पंचायत जुनवानी कला के सरपंच विनय पटेल के साथ अनेक किसान एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे